om 1 Delhi Final 1_Page 1 and 2 18/03/2015 10:57 Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-1 अप्रैल-1, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

समाजसेवा से होगा श्रेष्ठ समाज का निर्माण-सोलंकी

समाज सेवा प्रभागद्वारा अंतरष्ट्रीय सम्मेलन में भारत व नेपाल से 5000 समाज सेवी सरिक हुए

शांतिवन। कार्यक्रम में उपस्थित हैं राज्यपाल माननीय कप्तान सिंह सोलंकी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु.संतोष व अन्य।

शांतिवन। हरियाणा एवं पंजाब के राज्यपाल माननीय कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि समाजसेवा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा भगवान का प्यार और शक्ति मिलती है। समाज सेवा द्वारा हम जीवन में पुण्य अर्जित कर सकते हैं। परंतु वर्तमान समय में समाज सेवा के साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन का भी प्रयास होना चाहिए। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाज सेवा प्रभाग की ओर से समाजसेवियों के लिए आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमें सेवा को अपना कर्त्तव्य समझकर करना चाहिए। शांति व सहिष्णुता भारत की पहचान है। इसके आधार पर ही भारत पुन: विश्वगुरु बनेगा। ब्रह्माकुमारी संस्था समाज सेवा के साथ मनुष्य को मनुष्य बनाने का जो प्रयास कर रही है वह सही मायने में सच्ची सेवा है। संस्था प्रमुख दादी जानकी ने कहा कि हमारा सदैव यही प्रयास रहता है कि बुराइयों को दूर किया जाए। इसके लिए जागरुकता के साथ व्यक्तिगत स्तर पर ज्ञान और शक्ति के जरिए सशक्त बनाने का प्रयास चल रहा है। नेपाल के लायंस इंटरनेशनल गवर्नर भूगोल श्रीचन केके झोरी ने कहा कि यहाँ आने पर लगता है कि परोपकार की परिभाषा क्या होती है। सुनाम के रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व गवर्नर डॉ.एस.पी. सिंगला ने कहा कि मनुष्य को खुद को अच्छा बनाने का हमेशा प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर ब्र.कु.बृजमोहन, समाज सेवा प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन ब्र.कु. अमीरचंद, गुलबर्गा के ब्र.कु.प्रेम और माऊंट आबू के ब्र.कु.अवतार, महाराष्ट्र ज़ोन की निदेशिका ब्र.कु.संतोष, दिल्ली की राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.सुंदरी एवं ब्र.कु.आशा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने संस्था प्रमुख दादी जानकी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी ली। दादी ने बेहतर समाज बनाने तथा एक सुंदर समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया।

ब्रह्माकुमारीज़ मिशन मज़हब व सियासत से ऊपर - मोहम्मद अली

हैदराबाद स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में वैलेंस शीट ऑफ लाइफ पर कार्यक्रम संपन्न। 2000 अतिथियों ने लिया भाग।

हैदराबाद। 'बैलेंस शीट ऑफ लाइफ' कार्यक्रम में मंचासीन हैं तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मोहम्मद अली, अभिनेता सुरेश ओबेरॉय, ब्र.कु. शिवानी तथा ब्र.कु. कुलदीप। सभा में उपस्थित शहर के गणमान्य जन।

हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज़ मिशन किसी मज़हब या सियासत से कोई ताल्लुक नहीं रखता बल्कि अमन, भाईचारा, मोहब्बत, सुकून के लिए काम करता है। उक्त उद्गार तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मोहम्मद अली ने ब्रह्माकुमारीज़ के हैदराबाद स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम 'बैलेंस शीट ऑफ लाइफ' में व्यक्त किये। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अली जी ने कहा कि आज की दुनिया में इंसान रिश्वतखोरी, नाइंसाफी व खुदगर्ज़ी से भरा हुआ है। अमीर लोगों के पास धन-दौलत होने के बावजूद भी उनको सुकून नसीब नहीं होता। लेकिन आज मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है कि मैं ब्र.कु. शिवानी के प्रवचन में शामिल हो उन्हें साक्षात सुन रहा हूँ। हमें लगता है कि भगवान ने सारे आवाम को अमन की तालीम देने के लिए इन्हें यहाँ भेजा है। मैं ऊपर वाले का शुक्रगुज़ार हूँ कि मुझे सियासी हुकूमत से उठकर अल्लाहताला के लिए कुछ करने का मौका मिला। आगे उन्होंने ये भी कहा कि अगर आपके मिशन को मेरा किसी तरह का सहयोग चाहिए तो उसके लिए मैं हाज़िर हूँ, और तमाम लोग आपके नसीहत को फॉलो करें ऐसी मेरी मंशा है।

सुप्रसिद्ध अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने कहा कि जब मैं पैदा हुआ तो भारत और पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था। लड़ाई-झगड़े और मर्डर आदि देखने और सुनने को मिला इससे मेरे रग-रग में गुस्सा घर कर गया था। हर बात में गुस्सा, और लोग मुझसे डरते थे। लेकिन जब परमात्मा से कनेक्शन जुटा तो मेरी सारी समस्याएं दूर हो गयीं। राजयोग करते-करते मुझे समझ में आने लगा कि चीज़ें कैसे बदल रही हैं। आज मेरे चेहरे पर खुशी, रौनक व शांति है जो सिर्फ परमात्मा से कनेक्शन का जादू है। मैं आप सबसे भी यही कहता हूँ कि आप भी परमात्मा से जुड़ें और उसके जादू को महसूस करें।

शांति सरोवर की निदेशिका ब्र.कु. कुलदीप ने सभी अतिथियों का सम्मान करते हुए उनके प्रति अपनी शुभ भावनाएं व शुभ कामनाएं व्यक्त की। उन्होंने मुख्य अतिथि अली जी के लिए कहा कि आप अपने जीवन में मूल्यों को लेकर कार्य करते हैं, आपकी यह धारणा तेलंगाना को उन्नति के शिखर पर पहुँचायेगी और आपके स्वप्न सवर्णिम तेलंगाना को सकार रूप देने का संपन्न होगा।

चाहे गलत, चाहे सही, जो कुछ हो रहा है उसकी ज़िम्मेवार सिर्फ मैं ही मैं हूँ - ब्र.कु.शिवानी

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्र.कु.शिवानी ने बैलेंस शीट ऑफ लाइफ के बारे में कहा कि अगर ये पूरी दुनिया भगवान की मर्ज़ी से चल रही होती तो ये दुनिया कैसी होती? अगर भगवान की मर्ज़ी से दुनिया चलती तो क्या ऐसा होता कि किसी के अलग-अलग देशों में आलीशान घर हैं और किसी के पास रहने के लिए छत भी नहीं है। बचपन से आपने सुना है कि जैसा कर्म करेंगे वैसा फल मिलेगा। जो कुछ मेरे जीवन में हो रहा है वो मेरे पूर्व कर्म का फल है या भगवान की मर्ज़ी से हो रहा है? हमारे कर्म बराबर नहीं हैं इसलिए भाग्य भी सबका एक समान नहीं है। भगवान हमें ज्ञान, शक्ति और प्यार देता है पर अच्छा या बुरा कर्म करने की मर्ज़ी हमारी होती है। जो कुछ भी मेरे साथ हो रहा है वो हमारे पूर्व कर्मों के फल के अनुसार हो रहा है। जब मैं अपने कर्म, विचार व भावनायें बदल दूंगी तो सब कुछ बदल जायेगा। दूसरों की सफलता से हमें खुश होना चाहिए क्योंकि उसका अपना भाग्य मेरा अपना भाग्य। अगर जीवन को हमने रेस समझा तो आगे जाने की होड़ में आपसी प्यार, शुभ भावना और सहयोग खत्म हो जायेगा।